

प्रेषक,

एन. के. जोशी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

उपाध्यक्ष,
हरिद्वार विकास प्राधिकरण एवं
सचिव, कुम्भ क्षेत्र नियंत्रण एवं व्यवस्था समिति,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 27 जुलाई, 2006

विषय: कांवड़ मेला, हरिद्वार हेतु विभिन्न कार्यों हेतु व्यय की प्रशासकीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, हरिद्वार के पत्र संख्या 3607/न्याय अनु./कां. बजट/07-08 दिनांक 10.7.2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कांवड़ मेला के सुचारु सम्पादन हेतु विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने हेतु संलग्न सूची के अनुसार रु. 56.79 लाख (रु. छप्पन लाख उनासी हजार मात्र) की धनराशि, कुम्भ नियंत्रण एवं व्यवस्था योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2005-06 में शासनादेश संख्या 810/V/श. वि./05-64(एच.के.एम.)/2004 दिनांक 29.3.2006 के द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गई धनराशि रु. 213.40 लाख में से व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त धनराशि आपके द्वारा समस्त तकनीकी आवश्यकताओं को पूर्ण करके संबंधित विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी।
2. उक्त धनराशि का उपयोग उसी योजना एवं मद के लिए किया जायेगा, जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है किन्तु विशेष/अपरिहार्य परिस्थितियों में तथा औचित्य सिद्ध होने पर अन्य योजना की धनराशि को, यथाआवश्यकता, जिलाधिकारी, हरिद्वार द्वारा अन्य मदों/कार्य हेतु भी व्यय किया जा सकेगा। उक्त विशेष/अपरिहार्य परिस्थिति का औचित्य यथासमय शासन को अवगत कराया जाएगा।
3. पुलिस विभाग द्वारा गुप्त सेवा व्यय, लेखन सामग्री/छपाई पर व्यय व यात्रा भत्ता व्यय अपने विभागीय बजट में से ही किया जाएगा।
4. चिकित्सा/स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्थाई चिकित्सा शिविरों का आयोजन हेतु व्यय, वित्तीय वर्ष 2007-08 के अन्तर्गत "तीर्थयात्रा मार्गों पर सफाई/चिकित्सा सुविधा" योजनान्तर्गत स्वीकृत धनराशि से किया जाएगा।
5. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण संबंधित विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
6. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाए।
7. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए, जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।

8. एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य कराया जाए।
9. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो.नि.वि. द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
10. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर परचेज रूल्स एवं मितव्ययिता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये।
11. निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का पालन कड़ाई से किया जाए।
12. कार्य पूर्ण होने पर इसी वित्तीय वर्ष में उक्त कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण राज्य सरकार को तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।

2- यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. : 236/XXVII(2)/2007 दिनांक 27 जुलाई, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्न : यथोपरि।

भवदीय,

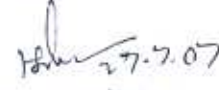
(एन. के. जोशी)
अपर सचिव।

संख्या : ~~820~~(1)/IV(1)/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
6. जिलाधिकारी, हरिद्वार को उनके उक्त संदर्भित पत्र के क्रम में।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
9. अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, हरिद्वार।
10. गार्ड फाइल।


आज्ञा से,


(एन. के. जोशी)
अपर सचिव।

शासनादेश संख्या : ८२० / IV(1)/2007-07(74)/2007

दिनांक : २७ जुलाई, 2007 का संलग्नक

क्रमांक	विभाग का नाम	कार्य का नाम	अनुमोदित घनराशि (रु. लाख में)
1	अधिशाली अभियंता, उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन, मायापुर (हरिद्वार)	1- श्रमिक शक्ति अतिरिक्त सुरक्षा सेवा के लिए	2.04
		2- जनरेटर सैट	1.87
		योग	3.91
2	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार	1- मेला क्षेत्र में पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम	5.00
		2- वीडियो/फोटो कैमरे हेतु	2.00
		योग	7.00
3	नगर पालिका परिषद, रुडकी	कांवड मेले में सफाई व्यवस्था आदि	4.38
4	अधिशाली अभियंता, सिंचाई, हरिद्वार	1- घाटों से काई की सफाई	2.50
		2- घाटों पर जंजीरों की व्यवस्था	5.00
		योग	7.50
5	नगर पालिका परिषद, मंगलौर	कांवड मेले में सफाई व्यवस्था आदि	3.81
6	उत्तराखण्ड जल संस्थान	1- टैंकों द्वारा जल वितरण	1.20
		2- पाइप लाइनों का कार्य	0.41
		योग	1.61
7	नगर पालिका परिषद, हरिद्वार	1- पथ प्रकाश विभाग	4.88
		2- हैक्नीकैरेज विभाग	0.79
		योग	5.67
8	पेयजल निगम, हरिद्वार	नगर पालिका परिषद, हरिद्वार द्वारा निर्मित अस्थाई शौचालयों में जलापूर्ति	5.75
9	अधिशाली अभियंता, विद्युत वितरण खण्ड, रुडकी	1- अस्थाई रूप से 25केवीए क्षमता के 25 सब स्टेशनों की स्थापना	10.91
		2- अस्थाई स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था	2.25
		योग	13.16
10	कलैक्ट्रेट, हरिद्वार	मोटर बोट के ईंधन/पी.ओ.एल. पर व्यय	4.00
	महायोग		56.79


(एन. के. जोशी)
अपर सचिव।